Press Release: Badruka Junior College for Girls announces free 2-yr intermediate education for eligible students orphaned due to Covid-19.

28-05-2021 Hyderabad: Badruka Junior College for Girls, an institute under Seth Ghasiram Gopikishan Badruka Educational Society, announces a complete fee waiver for two-year intermediate education for students orphaned due to the Covid-19 pandemic.

"Badruka Institutions prioritizes quality education and believes that good education is the foundation for a better future. Covid-19 had hit many families very badly and we cannot change what has happened. We decided to stand with those girls during the crisis so that these students can continue their education."- said Honorary Secretary of the society, Sri Kishan Badruka.

Director-General of the institution, Abhirama Krishna, said, "We believe in institutional social responsibility and strongly stand by that. As intermediate education is the path for their higher education, we don't want eligible students to lose that opportunity because of Covid-19. All the details on how to avail admission in this category will be furnished in the official website."

SHUBLABH-HINDI DAILY	MILAP DAILY HINDI

बद्रुका जूनियर कॉलेज फॉर गर्ल्स ने की अनाथ बालिकाओं के लिए मुफ्त दो साल की इंटरमीडिएट शिक्षा देने की घोषणा

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेठ घासीराम गोपीकिशन बद्रुका एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित संस्थान, बद्रुका जूनियर कॉलेज फॉर गर्ल्स, कोविड -19 महामारी के कारण अनाथ छात्रों के लिए दो साल की इंटरमीडिएट शिक्षा के लिए पूर्ण शुल्क माफी की घोषणा करता है। बद्रुका सोसायटी के मानद सचिव श्री किशन बद्रुका ने महामारी से द्रवित होते हुए यह घोषणा की है कि-बद्रुका संस्थान गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं और मानते हैं कि अच्छी शिक्षा बेहतर भविष्य की नींव है। कोविड -19 ने कई परिवारों को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया था और जो हुआ, उसे हम बदल नहीं सकते। हमने संकट के समय उन लड़कियों के साथ खड़े होने का फैसला किया, ताकि ये छात्राएं अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। संस्था के महानिदेशक अभिराम कृष्ण ने कहा कि हम संस्थागत सामाजिक मानवीय उत्तरदायित्व में विश्वास करते हैं और दृढ़ता से उसके साथ खड़े हैं। चूंकि इंटरमीडिएट शिक्षा उनकी उच्च शिक्षा का मार्ग है। इसलिए हम नहीं चाहते कि योग्य छात्र कोविड -19 के कारण उस अवसर को खो दें। इस श्रेणी में प्रवेश कैसे प्राप्त करें, इस बारे में सभी विवरण आधिकारिक वेबसाइट में प्रस्तुत किए जाएंगे।

अनाथ छात्राओं को नि:शुल्क शिक्षा देगा बद्रुका जूनियर कॉलेज

हैदराबाद, 27 मई-(मिलाप ब्यूरो) सेठ घाँसीराम गोपीकिशन बद्रुका एजुकेशनल सोसाइटी के अंतर्गत संचालित बद्रुका जूनियर कालेज फॉर गर्ल्स द्वारा आज कोविड-19 स्थितियों के दौरान अनाथ हो गयीं छात्राओं को दो वर्षीय इंटर शिक्षा नि:शुल्क देने की घोषणा की गयी।

प्रेस विज्ञप्ति द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोसाइटी के कार्यकारी सचिव किशन बद्रुका ने कहा कि बद्रुका संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देता है। अच्छी शिक्षा पर ही बेहतर भविष्य की नींव तैयार होती है। इसके लिए सोसाइटी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने समाज और परिवारों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घटित को तो बदला नहीं जा सकता, लेकिन भविष्यगामी सहयोग अवश्य किया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने कोविड-19 त्रासदी में अनाथ हो गई अर्ह छात्राओं को दो वर्षीय इंटर की शिक्षा नि:शुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। संस्थान के महानिदेशक अभिराम कृष्णा ने कहा कि इंटर की शिक्षा उच्च शिक्षा का मार्ग होता है। वह नहीं चाहते कि योग्य छात्र कोविड-19 की स्थितियों के चलते शिक्षा की इस अहम कड़ी से वंचित रहे। इसके लिए संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए कोरोना काल में अनाथ हो गई छात्राओं को इंटर की शिक्षा नि:शुल्क प्रदान की जाएगी।

VAARTHA-HINDI DAILY

मेरा हैद

कोविड के कारण अनाथ हुई बालिकाओं के लिए मुफ्त शिक्षा की घोषणा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेठ घासीराम गोपीकिशन बद्रुका एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित संस्थान, बद्रुका जूनियर कॉलेज फॉर गर्ल्स, कोविड-19 महामारी के कारण अनाथ छात्रों के लिए दो साल की इंटरमीडिएट शिक्षा हेतु पूर्ण शुल्क माफी की घोषणा करता है।

बद्रुका सोसायटी के मानद सचिव श्रीकिशन बद्रुका ने महामारी से द्रवित होते हुए यह घोषणा की है कि-बद्रुका संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं और मानते हैं कि अच्छी शिक्षा बेहतर भविष्य की नींव है। कोविड-19 ने कई परिवारों को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया था और जो हुआ, उसे हम बदल नहीं सकते। हमने संकट के समय उन लड़कियों के साथ खड़े होने का फैसला किया ताकि ये छात्राएं अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

संस्था के महानिदेशक अभिराम कृष्ण ने कहा कि हम संस्थागत सामाजिक मानवीय उत्तरदायित्व में विश्वास करते हैं और दृढ़ता से उसके साथ खड़े हैं।

Todays Eenadu.

అనాథ బాలికలకు ఉచిత ఇంటర్ విద్య

కాచిగూడ, న్యూస్‌టుడే: ప్రస్తుత విపత్కర పరిస్థితుల నేపథ్యంలో కరోనా కారణంగా తల్లిదండ్రులను కోల్పోయి అనాథలైన బాలికలకు రెండేళ్ల ఇంటర్మీడియట్ విద్యను ఉచితంగా అందించనున్నట్లు కాచిగూడలోని బద్రుకా ఎడ్యుకేషన్ సొసైటీ గౌరవ కార్యదర్శి శ్రీకిషన్ బద్రుకా, డైరెక్టర్ జనరల్ అభిరామకృష్ణ ఒక ప్రకటనలో తెలిపారు. కొవిడ్‌తో తల్లిదండ్రులను కోల్పోయిన బాలికలు ఉన్నత విద్యకు దూరం కాకూడదనే ఉద్దేశంతో వారికి ఇంటర్ మొదటి, రెండు సంవత్సరాలు ఉచితంగా విద్యను అందించాలని నిర్ణయించామని పేర్కొన్నారు. వీరితో పాటు చిన్నతనంలో తల్లిదండ్రులు లేని అనాథ బాలికలు కూడా అర్హులన్నారు. ఇతర వివరాలకు వైబ్‌సైట్ www.badruka.com ను సంప్రదించాలని తెలిపారు.